न्यूज़ टुडे

नीति आयोग के विज़न डॉक्यूमेंट में लिटिल अंडमान द्वीप के संधारणीय विकास का उल्लेख किया गया

- नीति आयोग ने **लिटिल अंडमान द्वीप पर एक नए ग्रीनफील्ड तटीय शहर** का निर्माण करने का एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इसे **मुक्त व्यापार क्षेत्र (free trade zone) के रूप में विकसित** किया जाएगा। यह सिंगापुर व हांगकांग के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा।
- प्रस्ताव में **एक वित्तीय जिला, पर्यटन आधारित विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ), विशिष्ट फॉरेस्ट रिसॉर्ट, प्रकृति उपचार जिले** (nature healing district) का विकास करना आदि शामिल हैं। यह क्षेत्र विभिन्न खंडों में विभाजित किया जाएगा।
- **प्रस्ताव का महत्व:**
  - **सामरिक स्थल:** यह स्थान एक महत्वपूर्ण **नौवहन मार्ग** है, जो **मलक्का जलडमरूमध्य** के बहुत समीप स्थित है।
  - **आर्थिक महत्व:** 6,00,000 वर्ग कि.मी. में विस्तारित अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ), जो मत्स्यन, गहरे समुद्र में खनन आदि गतिविधियों का समर्थन करेगा।
  - **पर्यटन क्षमता:** न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप युक्त और श्वेत रेतीले समुद्र तट, समुद्री जीवन, समृद्ध जैव विविधता आदि जो चिकित्सा एवं प्रकृति पर्यटन के लिए आदर्श स्थिति उपलब्ध करवाते हैं।
- **चुनौतियाँ और चिंताएँ:**
  - **कनेक्टिविटी का अभाव:** अपर्याप्त वायु और समुद्री संपर्क तथा अपर्याप्त डिजिटल कनेक्टिविटी।
  - **पारिस्थितिक खतरा:** वृहद पैमाने पर बुनियादी ढांचे के निर्माण से द्वीपों की संवेदनशील पारिस्थितिकी के समक्ष खतरा उत्पन्न हुआ है।
  - जलवायु परिवर्तन से समुद्र के जल स्तर में वृद्धि से निचले द्वीपों के जलमग्न हो जाने का खतरा विद्यमान है।
  - **द्वीपसमूह पर स्थानीय जनजातियों जैसे**– ओंग, जारवा, सेंटीनलीज व शॉम्पेन को खतरा आदि।

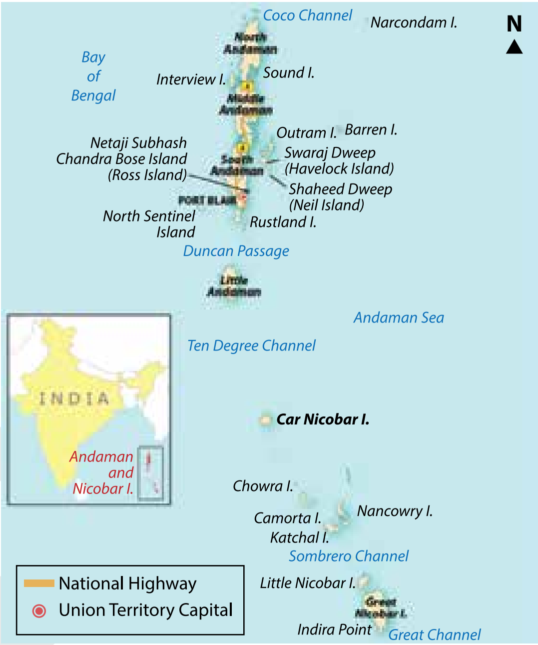

प्रधानमंत्री द्वारा 'चौरी चौरा' शताब्दी समारोह ('Chauri Chaura' Centenary Celebrations) का उद्घाटन किया गया

- **चौरी चौरा की घटना 4 फरवरी 1922 को संयुक्त प्रांत के गोरखपुर जिले के चौरी चौरा में घटित हुई थी।** यह घटना असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों के एक बड़े समूह और पुलिस के बीच हुई हिंसा के परिणामस्वरूप घटित हुई थी। इसमें पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों पर गोलीबारी कर दी गई थी।
  - प्रत्युत्तर में, आंदोलनकारियों ने भी हमला कर दिया तथा स्थानीय पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। परिणामस्वरूप **वहाँ मौजूद अनेक पुलिस कर्मियों/नागरिकों की मृत्यु** हो गई थी।
    - इस घटना में तीन नागरिकों और 22 पुलिस कर्मियों की मृत्यु हुई थी।
  - **महात्मा गांधी,** जो हिंसा के सख्त विरोधी थे, ने इस घटना के कारण 12 फरवरी 1922 को **असहयोग आंदोलन (NCM)** को रोक दिया था।
  - ब्रिटिश सरकार द्वारा 110 दोषियों को आजीवन कारावास तथा **19 दोषियों को मृत्युदंड का आदेश** दिया गया था।
- **महत्व:**
  - असहयोग आंदोलन, महात्मा गांधी द्वारा खिलाफत आंदोलन के साथ **रौलट एक्ट के दोषों को दूर करने के लिए और जलियांवाला बाग नरसंहार के विरोध में** अगस्त 1919 में प्रारंभ किया गया था।
    - यह स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आयोजित **प्रथम जन आंदोलन** था।
  - **असहयोग आंदोलन की आकस्मिक समाप्ति ने निम्नलिखित प्रभाव उत्पन्न किए–**
    - कांग्रेस पार्टी में विभाजन की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। **मोती लाल नेहरू और सी.आर.दास के नेतृत्व में कांग्रेस–खिलाफत–स्वराज पार्टी (Congress-Khilafat-Swarajya Party) का गठन** हुआ। ये नेता आंदोलन के आकस्मिक समापन से निराश थे।
    - जनता के मध्य असंतोष तथा **असहयोग आंदोलन की (अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर पाने में) असफलता ने आगे उग्रवाद को जन्म दिया।**

सरकार द्वारा तीन पावर गियर निर्माणकारी क्षेत्रों (power gear making zones) की स्थापना की जाएगी

- **आत्मनिर्भर भारत पैकेज योजना के तहत** महत्वपूर्ण उर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा (RE) उपकरणों के लिए **विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने का प्रस्ताव** प्रस्तुत किया गया है। इस हेतु **प्रस्तावित कुल परिव्यय राशि 1500 करोड़ रूपये** हैं।
  - इन विनिर्माण क्षेत्रों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है यथा– **तटीय, भू–आबद्ध और पहाड़ी राज्य।**
- इसके तहत, केंद्र द्वारा इन क्षेत्रों में **सामान्य अवसंरचना और परीक्षण सुविधाएं** प्रदान की जाएगी।
  - **इसके अंतर्गत राज्यों द्वारा एक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) का निर्माण** किया जाएगा। इसे निजी कंपनियों को (इन निजी कंपनियों द्वारा विनिर्माण सुविधाओं को स्थापित किए जाने के उपरांत) हस्तांतरित कर दिया जाएगा।
- इसके तहत मुख्य रूप से उन उपकरणों पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा, **जिन्हें भारत में निर्मित किए जाने के पश्चात भी आयात करना पड़ता है।**
- **इस पहल के उद्देश्यों में शामिल हैं:**
  - **आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना:** वर्ष 2018–19 में भारत द्वारा 2.16 बिलियन डॉलर मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक (PV) सेल, पैनल और मॉड्यूल का आयात किया गया था।
  - **चीन पर निर्भरता को कम करना,** क्योंकि पारंपरिक विद्युत् उपकरण आयात पर होने वाले व्यय (71,000 करोड़ रुपये) में चीनी उत्पादों की लगभग एक तिहाई हिस्सेदारी रही है।
  - हरित और पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्रक में विद्युत् उत्पादन, पारेषण और वितरण के लिए **निजी निवेश को आकर्षित करना।**
  - वैश्विक स्तर पर 3,600 kWh प्रति व्यक्ति विद्युत खपत की तुलना में **भारत की बढ़ती प्रति व्यक्ति विद्युत् खपत** (जो लगभग 1,149 किलोवाट–घंटा (kWh) है) **की पूर्ती के उपाए करना।**

कृषि और मत्स्यन क्षेत्रों के लिए की गई घोषणाएँ

विषय/क्षेत्रक	घोषणाएँ
राष्ट्रीय कृषि बाजार (eNAM) – **एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक व्यापार पोर्टल** है। यह कृषि उत्पादों के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाजार के निर्माण हेतु मौजूदा APMC मंडियों को परस्पर संबद्ध करता है।	• eNAM के साथ 1000 अन्य मंडियों को एकीकृत करने की घोषणा की गई है। अब तक, **18 राज्यों और 3 संघ शासित प्रदेशों के 1000 बाजारों** को एकीकृत किया गया था। • **eNAM** अब फसल कटाई के उपरांत की सेवाओं जैसे कि परिवहन, वितरण, छंटाई, ग्रेडिंग और मूल्य श्रृंखला के अन्य पहलुओं के साथ व्यापार प्रणाली को एकीकृत करके **"प्लेटफॉर्मों के प्लेटफॉर्म" के रूप में विकसित** हो रहा है।
वर्ष 2019–20 से नाबार्ड (NABARD) में 5000 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी के साथ **सूक्ष्म सिंचाई कोष (Micro Irrigation Fund: MIF)** का गठन किया गया है।	• MIF के प्रारंभिक कोष में अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपये का निवेश कर इसे दोगुना करने की घोषणा की गई है। • इस कोष का उद्देश्य **सूक्ष्म सिंचाई के तहत कवरेज का विस्तार करने और प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना से इतर इसकी स्वीकार्यता को प्रोत्साहित करने के लिए** अतिरिक्त संसाधन जुटाने में राज्य सरकारों को सुविधा प्रदान करना है।
मत्स्यन क्षेत्र	• आधुनिक मात्स्यिकी बंदरगाहों और फिश लैंडिंग सेंटर का विकास करने की घोषणा की है। • **5 प्रमुख मत्स्यन बंदरगाह**– कोच्चि, चेन्नई, विशाखापत्तनम, पारादीप और पेटुआघाट को आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। • नदियों और जलमार्गों के तटों पर भी **अंतर्देशीय मत्स्यन बंदरगाह और फिश–लैंडिंग सेंटर** विकसित किए जाएंगे। • समुद्री सिवार (Seaweed) के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, **तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री सिवार पार्क** की स्थापना की जाएगी।

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया

- यह सम्मेलन IOR **में शांति, स्थिरता और समृद्धि के विकास को प्रोत्साहित करने हेतु** संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।
  - इसका लक्ष्य **रक्षा उद्योग के औद्योगिक सहयोग सहित हिंद महासागर में संसाधनों और प्रयासों का समन्वय** करना है।
  - इस सम्मेलन में भारत ने कहा कि वह IOR को विभिन्न प्रकार की **मिसाइल प्रणाली, हल्के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, युद्धपोत और गश्ती पोतों की आपूर्ति** करने के लिए तैयार है।
- **हिन्द महासागर क्षेत्र (IOR) का महत्व:**
  - होर्मुज जलसंधि, मलक्का जलसंधि, बाब–अल मंडेब जल संधि आदि जैसे रणनीतिक बिंदुओं सहित महत्त्वपूर्ण वैश्विक समुद्री जलमार्ग इसी क्षेत्र में हैं।
  - **यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का एक प्रमुख वाहक है।** साथ ही ऊर्जा, मत्स्यन और खनिज संसाधनों का मूल्यवान स्रोत भी है।
  - पायरेसी (जलदस्युता), आतंकवाद, तस्करी और अवैध हथियारों के प्रसार आदि का सामना करके तलाशी तथा बचाव कार्यों में सहायता करते हुए **सुरक्षा प्रदाता की भूमिका** निभाता है।
- **भारत द्वारा उठाए गए कदम:**
  - समुद्री सुरक्षा और जलदस्यु–रोधी अभियानों के लिए भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक बल द्वारा **पोतों की तैनाती की गई है।**
  - IOR देशों के साथ **व्हाइट शिपिंग सूचना (वाणिज्यिक शिपिंग संबंधी जानकारी) के साझाकरण के लिए तकनीकी समझौते तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत पर समझौते** संपन्न किए गए हैं।
  - **भारत द्वारा इंडो–पैसिफिक डिविजन की स्थापना की गई है।** इसके अतिरिक्त, वह बिम्सटेक, इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन इत्यादि जैसे समूहों तथा क्वाड (QUAD), आसियान आदि जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से देशों के साथ साझेदारी में शामिल है।
  - विज़न सागर (SAGAR), प्रोजेक्ट मौसम आदि योजनाएं संचालित की गई हैं।

अन्य सुर्खियाँ

एक ज़िला एक उत्पाद योजना (One District One Product Scheme)	❍ इसके तहत, **एक ज़िला एक उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए** वाणिज्य विभाग (Department of Commerce) विदेश व्यापार महानिदेशालय के सहयोग से राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। ❍ **उद्देश्य:** ➢ जिले में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों की पहचान करके देश के **प्रत्येक जिले को एक निर्यात केंद्र के रूप में परिवर्तित करना,** ➢ इन उत्पादों के **निर्यात के समक्ष मौजूद अवरोधों का निवारण करना,** ➢ विनिर्माण क्षेत्र में संवृद्धि के लिए **स्थानीय निर्यातकों/विनिर्माताओं को सहायता प्रदान करना,** ➢ भारत के बाहर **संभावित ख़रीदार की पहचान** करना, ➢ जिले में विनिर्माण और सेवा उद्योग को बढ़ावा देने के साथ–साथ रोज़गार का सृजन करना आदि। ❍ उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पश्चिम बंगाल को छोड़कर भारत के सभी जिलों में **जिला निर्यात संवर्धन समिति** (District Export Promotion Committee: DEPC) का गठन किया गया है।
स्क्वायर किलोमीटर ऐरे वेधशाला (Square Kilometer Array Observatory: SKAO)	❍ हाल ही में SKAO परिषद की प्रथम बैठक को आयोजित किया गया है। इसके तहत विश्व के **सबसे बड़े रेडियो टेलीस्कोप की स्थापना को स्वीकृति** प्रदान की गई है। ➢ ऑप्टिकल टेलीस्कोप के विपरीत, **रेडियो टेलीस्कोप द्वारा अदृश्य गैस की खोज की जा सकती है।** इससे अंतरिक्ष के उन क्षेत्रों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जा सकेगी, जो कॉस्मिक धूल के कारण अस्पष्ट बने हुए हैं। ❍ इस प्रस्तावित टेलीस्कोप को **अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में स्थापित** किया जाएगा तथा इसका संचालन, रखरखाव एवं निर्माण SKAO द्वारा किया जाएगा। ❍ SKAO मुख्यतः रेडियो खगोल विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन और अन्वेषण हेतु समर्पित एक **अंतर सरकारी संगठन** है। इसका मुख्यालय **ब्रिटेन** में अवस्थित है। ❍ **SKAO के सदस्यों में** ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, **चीन, भारत,** इटली, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, स्वीडन, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम सम्मिलित हैं।
भसन चार द्वीप (Bhasan Char Island)	❍ यह बंगाल की खाड़ी में स्थित एक **आबादी रहित द्वीप** है। यहां बांग्लादेश द्वारा **लाखों रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए आश्रय गृह** निर्मित किए गए हैं। ➢ रोहिंग्या मुख्यतः म्यांमार के रखाइन प्रांत का **उत्पीड़ित नृजातीय अल्पसंख्यक (मुस्लिम) समुदाय** है। ❍ 'भसन चार' वस्तुतः बंगाल की खाड़ी में **मेघना नदी द्वारा निक्षेपित** तलछटों से निर्मित एक द्वीप है (तलछट के लिए बंगाली में 'चार' शब्द प्रयोग किया जाता है)। यह वर्ष 2006 में निक्षेपित तलछटों के कारण जल से ऊपर आ गया था। ❍ **यह स्थल एक पंक मैदान (mudflat) के समान है।** हालांकि, ज्वार और बाढ़ के समय इसके जलमग्न हो जाने का खतरा बना रहता है।
बरगी (Bargi)	❍ **1741–1751 ईस्वी के मध्य पश्चिम बंगाल में कई मराठा आक्रमणों** का संदर्भ मिलता है, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन समय में डकैती, लूटपाट और नरसंहार की कई घटनाएँ घटित हुई थीं। ❍ यह शब्द **फ़ारसी "बरगीर" (Bargir)** से लिया गया है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है "बोझ उठाने वाला"। ❍ वर्तमान में बरगी शब्द का उपयोग **क्षति पहुँचाने वाले बाहरी लुटेरों की टुकड़ियों के संदर्भ में** किया जाता है।
पंडित भीमसेन जोशी (4 फरवरी, 1922 – 24 जनवरी, 2011) {Pandit Bhimsen Joshi (February 4, 1922-January 24, 2011)}	❍ हाल ही में, पंडित भीमसेन जोशी का **जन्म शताब्दी वर्ष समारोह** प्रारंभ किया गया है। ❍ वे **कर्नाटक के एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक** थे। ❍ वे गायकी के क्षेत्र में प्रसिद्ध **किराना घराने** से संबंधित थे। वह गायन की **ख्याल शैली** के लिए प्रसिद्ध थे। साथ ही, भक्ति संगीत (भजन और अभंग) के अपने लोकप्रिय गायन के लिए भी जाने जाते थे। ❍ उन्हें **वर्ष 2008 में भारत रत्न** से सम्मानित किया गया था। ❍ इसके अतिरिक्त, वर्ष 1975 में उन्हें **संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से** भी सम्मानित किया गया था।